



## लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक 2023

### प्रलिस के लिये:

लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक (LPI), राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति (NLP), पीएम गतिशक्ति पहल।

### मेन्स के लिये:

पीएम गतिशक्ति, राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति का महत्त्व, आर्थिक विकास के लिये बुनियादी ढाँचे में निवेश का महत्त्व।

## चर्चा में क्यों?

[वशिव बैंक द्वारा जारी किये गए लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक](#) (LPI) 2023 में 139 देशों के सूचकांक में भारत अब 38वें स्थान पर है।

- वर्ष 2018 और 2014 में भारत क्रमशः 44वें और 54वें स्थान पर था। अतः प्रगतिके संदर्भ में वर्तमान में भारत की रैंक काफी बेहतर है।
- इससे पहले वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने लॉजिस्टिक्स ईज़ अक्रॉस डफिरेंट स्टेट्स (LEADS) रिपोर्ट 2022 जारी की थी।

## लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक:

- LPI [वशिव बैंक समूह](#) द्वारा विकसित एक इंटरैक्टिव बेंचमार्किंग टूल है।
  - यह देशों को व्यापार लॉजिस्टिक्स के प्रदर्शन में आने वाली चुनौतियों और अवसरों की पहचान करने में मदद करता है।
- यह [वशिवसनीय आपूर्ति शृंखला कड़ियों](#) और [इसे सक्षम करने वाले मूलभूत घटकों](#) को स्थापित करने की सुलभता का आकलन करता है। लॉजिस्टिक्स की प्रभावशीलता का आकलन 6 कारकों के आधार पर किया जाता है:
  - सीमा शुल्क प्रदर्शन
  - आधारभूत संरचना की गुणवत्ता
  - शिपमेंट की सुलभ व्यवस्था
  - लॉजिस्टिक्स सेवाओं की गुणवत्ता
  - प्रेषित वस्तु की ट्रैकिंग और अनुरेखण
  - शिपमेंट की समयबद्धता
- वशिव बैंक ने वर्ष 2010 से 2018 तक [प्रत्येक दो वर्ष में LPI जारी](#) किया, जिसमें [कोविड-19 महामारी](#) और सूचकांक पद्धति में संशोधन के कारण वर्ष 2020 में देरी हुई। रिपोर्ट अंततः वर्ष 2023 में प्रकाशित की गई।
  - पहली बार LPI में 2023 शिपमेंट पर नज़र रखने वाले बड़े डेटाबेस से उत्पन्न मेट्रिक्स का उपयोग करके व्यापार की गति का विश्लेषण किया गया है, जिससे 139 देशों में तुलना की जा सकती है।

## भारत द्वारा बेहतर लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन हेतु अपनाई गई नीति:

- नीतित्गत हस्तक्षेप:
  - PM गतिशक्ति पहल: अक्टूबर 2021 में सरकार ने [PM गतिशक्ति पहल](#) की घोषणा की, जो मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी हेतु एक राष्ट्रीय मास्टर प्लान है।
    - इस पहल का उद्देश्य लॉजिस्टिक्स लागत को कम करना और वर्ष 2024-25 तक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है।
  - राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति (National Logistics Policy- NLP): प्रधानमंत्री ने वर्ष 2022 में [राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति](#)

(NLP) की शुरुआत की, ताकत अंतमि छोर तक समयबद्ध वतिरण, परविहन संबंधी चुनौतियों का अंत, वनिरिमाण क्षेत्र हेतु समय और धन की बचत एवं लॉजिस्टिक क्षेत्र में वांछति गति सुनिश्चति की जा सके।

• ये नीतगित हस्तकषेप लाभदायक हैं, जनिहें LPI और इसके अन्य मापदंडों में भारत की नरितर प्रगतति में देखी जा सकती है।

#### ■ बुनयिादी ढाँचे में सुधार:

- LPI रिपोर्ट के अनुसार, भारत का बुनयिादी ढाँचा स्कोर वर्ष 2018 में 52वें स्थान से पाँच स्थान बढ़कर वर्ष 2023 में 47वें स्थान पर पहुँच गया।
- सरकार ने व्यापार से संबंधति सॉफ्ट और हार्ड इंफ्रास्ट्रक्चर में नविश कयिा है जो दोनों तटों पर स्थति पोर्ट गेटवे को देश के आंतरकि क्षेत्रों में स्थति प्रमुख आर्थकि केंद्रों से जोड़ता है।

• इस नविश से भारत को लाभ हुआ है और अंतर्राष्ट्रीय परविहन में भारतवर्ष 2018 के 44वें स्थान से वर्ष 2023 में 22वें स्थान पर पहुँच गया है।

#### ■ प्रौद्योगिकी की भूमकि:

- भारत की रसद आपूर्तिके सुधार में प्रौद्योगिकी एक महत्त्वपूर्ण घटक रही है।
- सार्वजनकि-नरिी भागीदारी के तहत सरकार ने एक आपूर्ति शृंखला दृश्यता मंच लागू कयिा है, जसिने आपूर्तिमें लगने वाले अधकि समय में उल्लेखनीय कमी लाने में योगदान दयिा है।

• NICDC लॉजिस्टिक्स डेटा सर्वसिज्ञ लमिटेड कंटेनरों पर रेडयो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन टैग लागू करता है जसिसे रसद आपूर्तिशृंखला के दौरान एंड-टू-एंड ट्रैकिंग की जाती है।

- रिपोर्ट में यह भी कहा गया है किआधुनिकीकरण और डिजिटलीकरण के कारण भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाएँ वकिसति देशों को पीछे छोड़ रही हैं।

#### ■ ड्वेल टाइम में कमी:

- ड्वेल टाइम यानी जहाज़ कसिी वशिषिट बंदरगाह या टर्मिनल पर कतिना समय व्यतीत करता है। यह उस समय को भी संदर्भति करता है जो एक कंटेनर या कार्गो को जहाज़ पर लादे जाने से पहले या जहाज़ से उतारने के बाद एक बंदरगाह या टर्मिनल पर ठहराव में व्यतीत होता है।

• भारत का बहुत कम ड्वेल टाइम (2.6 दिन) इस बात का एक उदाहरण है कि कैसे देश ने अपनी आपूर्तिके प्रदर्शन में सुधार कयिा है।

- रिपोर्ट के अनुसार, भारत और सगिापुर के लयिे मई एवं अक्टूबर 2022 के बीच कंटेनरों के औसत ठहराव का समय 3 दिन था, जो कि कुछ औद्योगकि देशों की तुलना में काफी बेहतर है।

• अमेरिका के लयिे ठहराव का समय 7 दिन था और जर्मनी हेतु यह 10 दिन था।

- कार्गो ट्रैकिंग की शुरुआत के साथ वशिाखापत्तनम के पूर्वी बंदरगाह में ठहराव का समय वर्ष 2015 में 32.4 दिनों से घटकर वर्ष 2019 में 5.3 दिन हो गया।

## लॉजिस्टिक से संबंधति भारत की पहलें:

- [माल का बहुवधि परविहन अधनियम, 1993](#)
- [मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क](#)
- [डेडकिटेड फरेट कॉरडिोर](#)
- [सागरमाला परयिोजना](#)
- [भारतमाला परयिोजना](#)

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न:

प्रश्न. अधकि तीवर और समावेशी आर्थकि वकिस के लयिे बुनयिादी अवसंरचना में नविश आवश्यक है।" भारत के अनुभव के आलोक में चर्चा कीजयिे। (वर्ष 2021)

## स्रोत: द हट्टि

